A True Story by Raj

एक सच्ची कहानी

मेरा नाम राज है। मैं कोलकाता में रहता हूं। मेरी पत्नी का नाम पूजा है। मैं जो कहानी आप लोगो को सामने रख रहा हूं ये एक सच्ची कहानी है। मेरी उम्र अभी ३० और मेरी पत्नी २८ वर्ष है। हम लोगो की सेक्स लाइफ बहुत अच्छी है। कुछ दिन पहले हम लोग अपने एक दोस्त और उसकी बीवी के साथ एक जगह घूमने गए थे। हमने वहां पहुंच कर एक होटल में दो कमरे लिए और पहले दिन इधर उधर घूमे। रात को अपने अपने कमरे में अपनी बीवियों के साथ सो गए। मेरे दोस्त का नाम रवि है और उसकी बीवी का नाम चिन्ता है। हम लोगो में गंदे मज़ाक वगैरह बहुत होते हैं लेकिन उससे ज्यादा कभी कुछ नहीं हुआ। मेरी बीवी बहुत सुन्दर है। मेरा दोस्त के मन में मेरी बीवी के लिए कुछ था लेकिन किसी तरह का भाव मेरे या पूजा के सामने प्रकट नहीं करता था। इसके साथ साथ मेरी भी इच्छा थी कि कोई मेरी बीवी को मेरे सामने चोदे तो कैसा लगेगा। ये सोचकर मैं बहुत उत्तेजित हो जाता था और धीरे धीरे मेरी इच्छा और मजबूत होने लगी।

अगले दिन हम चारों एक रूम में बैठे गप्पे हांक रहे थे। तभी चिन्ता को झपकी आने लगी और वो सो गई। हम तीनो दूसरे रूम में चले गए ताकि चिन्ता को डिस्टर्ब न हो। रूम में पहुंचकर मैं और पूजा बेड पर बैठे तथा रवि सोफे पर। मैं आदतन पूजा से छेड़छाड़ करने लगा। पूजा शर्मा रही थी क्योंकि रवि भी कमरे में था। फिर मैंने अपनी दिली इच्छा पूरी करने के लिए दोनो को उकसाने लगा। उस दिन पूजा ने लाल काले रंग की साड़ी, काला ब्लाउज़ पहने हुए थी। इसके बाद रवि बोला तुम लोग करो मैं यहां से चला जाता हूं। मैंने रवि को नहीं जाने दिया और कहा कि तुम हम लोग का करना देखो। पूजा अभी भी शर्मा रही थी। इस बीच मैंने उसके ब्लाउज़ के हुक खोल दिए थे और उसकी चूचियों को दबा रहा था। वो धीरे धीरे उत्तेजित होने लगी थी। इसके बाद मैंने उसका ब्लाउज़ उतार दिया। काली ब्रा में उसकी ३६ इंच की चूचियां देखकर रवि पलकें झपकाना भूल गया। इसके बाद मैंने उसकी साड़ी भी उतार दी। मैं उसे यहां वहां चूम रहा था। फिर मैंने रवि को भी शामिल होने के लिए कहा लेकिन वो अभी भी शर्मा रहा था। इसके बाद मैंने पूजा का पेटीकोट भी उतार दिया और अब वो केवल ब्रा और पैंटी में थी। वो भी अब रवि से चुदवाने के लिए तैयार हो गई थी। इसके बाद खुद पूजा बेड पर से उठी और रवि का हाथ पकड़ कर बेड पर लायी तथा उसका हाथ अपनी

© 2008, http://www.antarvasna.com

चूचियों पर रखकर दबाने लगी। अब रवि का सब्र टूट गया वो उसके होठों को चूसने लगा। हम तीनो उस समय बहुत उत्तेजित हो गए थे। पूजा तो जैसे उत्तेजना से पागल हो गयी थी। इसके बाद मैंने उसकी पैंटी उतारी और रवि उसकी ब्रा खोलकर उसकी बड़ी बड़ी चूचियों को चूसने लगा। मैंने उसकी बुर की चुसाई चालू की। क्या सीन था – मैं उसकी बुर चूस रहा था और रवि उसके होंठ और चूचियां। वो मस्ती में आंख बंद कर बड़बड़ाने लगी। मैंने इसके बाद अपना लंड उसकी बुर में घुसाकर उसे चोदने लगा। उस समय रवि उसके होंठ चूस रहा था। थोड़ी देर चोदने के बाद मैं ऊपर से हट गया और रवि पूजा को चोदने लगा। रवि कुछ देर बाद चोदने के बाद झड़ गया इसके बाद मैं पूजा की बुर पोछकर फिर से चोदने लगा। कुछ देर के बाद मैं भी झड़ गया। फिर हमने अपने कपड़े पहनकर चिन्ता वाले रूम में चले गए। वो अभी सो ही रही थी और इधर कितना बड़ा तूफान गुज़र गया। बाद में मैंने पूजा से पूछा कि उसे कितना मज़ा आया तो उसने कहा कि मज़ा तो बहुत आया लेकिन रवि का लंड तुमसे मोटा और बड़ा होता तो और मज़ा आता। वैसा मज़ा हमें फिर कभी नहीं मिला।

अगले दिन हम चारों एक रूम में बैठे थे तभी मैंने रवि से कहा कि मैं अपनी बीवी की ब्रा और पैंटी में देखना चाहता हूं। पूजा न-न करते राजी हो गई और वो बाथरूम में जाकर कपड़े उतारकर केवल ब्रा पैंटी में बाहर आ गई। इसके बाद रवि ने चिन्ता को भी ऐसा करने के लिए कहा लेकिन वो तैयार नहीं हुई। फिर रवि ने जबरदस्ती उसके कपड़े उतारकर उसे ब्रा पैंटी में कर दिया। उसकी चूचियां पूजा से थोड़ी छोटी थी।

इसके बाद मैंने पूजा की पैंटी उतार दी और उसकी बुर में उंगली करने लगा। चिन्ता सबकुछ आंखें फाड़कर देख रही थी। ये नजारा देखकर रवि से रहा नहीं गया और उसने चिन्ता की ब्रा और पैंटी उतार दी और अपने कपड़े भी उतारकर नग्न हो गया। मैंने भी अपने कपड़े उतार दिए और पूजा की बची हुई ब्रा भी उतार दी। अब हम चारों एक ही बेड पर पूरी तरह नंगे थे। चिन्ता ने शरमाकर अपनी आंखें बंद कर ली। रवि चिन्ता को चोदने लगा, बगल में मैं पूजा की बुर चूस रहा था। चिन्ता ने अपनी आंखें बंद की हुई थी इसका फायदा उठाते हुए रवि पूजा की चूचियों को दबाने लगा तथा मेरा एक हाथ लेकर चिन्ता की चूचियों पर रख दिया। मैं भी दबाने लगा। चिन्ता समझ रही थी कि उसकी चूचियों को रवि दबा रहा है। इसके बाद रवि चिन्ता के ऊपर से हट गया और मुझे चिन्ता को चोदने का इशारा

© 2008, http://www.antarvasna.com

किया। मैंने पूजा की ओर देखा, उसने सहमति में सिर हिलाया। मैं अपना लंड चिन्ता की बुर में डाल दिया। पहले तो वो समझी कि उसका पति ही उसे चोद रहा है लेकिन मेरा लंड रवि से मोटा और लम्बा था इसलिए उसे लगा कि उसे चोदने वाला रवि नहीं है। तब उसने आंखे खोल दी लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पहले तो वो बहुत गुस्सा हुई लेकिन थोड़ी देर के बाद उसे भी अच्छा लगने लगा और वह नीचे से चूतड़ उठाकर मेरा साथ देने लगी। मैंने उसकी भरपूर चुदाई की।

इसके बाद मेरी बीवी पूजा फिर किसी के साथ ऐसा करने के लिए राजी नहीं हुई। लेकिन २:१ बहुत पसंद है। मुझे फिर एक मौका मिला, मेरे एक दोस्त और उसकी बीवी के साथ। ये कहानी अब अगले अंक में।

ये मेरी सच्ची कहानी है आप लोगो को कैसी लगी कृपया मुझे मेल करें avasthi.raj@gmail.com

© 2008, http://www.antarvasna.com